पीपुल्स समाचार, भोपाल
7 FEB 2010

# 'नेता अपना आचरण सुधारें'

**रायसेन।** मप्र सरकार की नीतियों और यहां के मुख्यमंत्री से पड़ोसी राज्यों के जनप्रतिनिधि खासे प्रभावित नजर आए। अपने एक दिवसीय प्रवास पर सांची पहुंचे लगभग दो सौ जनप्रतिनिधियों ने एक स्वर में यहां की नीतियों की सराहना की। खास बात यह है कि ये सभी किसी एक दल नहीं हैं।

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष चंद्रशेखर प्रकाशसिंह, आंध्रप्रदेश विधानसभा के स्पीकर डा. एके चक्रपानी एवं बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष शकुनी चौधरी का मानना है कि दीगर जनप्रतिनिधियों को भी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री जैसा होना चाहिए, तभी देश और राज्यों के संघीय ढांचे में बदलाव लाया जा सकता है। सांसदों तथा विधायकों में स्वप्रेरणा का संचार जब तक नहीं होगा, तब तक विधायिका से बेहतर उम्मीद नहीं की जा सकती है। पीपुल्स

## झारखंड, बिहार, उड़ीसा एवं आंध्र के नेताओं की राय

समाचार से बातचीत में श्री सिंह ने कहा कि मैं मप्र से बहुत कुछ सीखकर जा रहा हूं। उनका कहना है कि भोपाल में हुई कार्यशाला एक अच्छा संकेत है। लेकिन इससे निकला मंथन तभी कारगर होगा, जब सांसद व विधायक लोकतंत्र की मर्यादा में रहकर काम करेंगे। एक जनप्रतिनिधि पर हजारों-लाखों लोगों का भरोसा टिका रहता है, लेकिन कई दफे वे संसदीय मर्यादाओं को तार-तार कर देता है। बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष शकुनी चौधरी कहते हैं कि मध्यप्रदेश सरकार तेजी से विकास की दिशा में बढ़ रही है। सभी राज्यों को उसकी नीतियों को आत्मसात करना चाहिए। इनमें से कुछ योजनाओं को हम भी क्रियान्वित करने पर विचार करेंगे। दोनों नेताओं का मानना है कि विधानसभा अपने आप में बहुत पावरफुल है। क्योंकि हम सुधरेंगे तभी जग सुधरेगा। अर्थात पहले जनप्रतिधियों को अपना आचरण सुधारना पड़ेगा।